उमरिया घटती जाए | By Kumaar Mukesh, Jyoti Choundal

नाम हरी का जपले बन्दे .....
नाम हरी का जपले तेरा जनम सफल हो जाए
एक नाम बस हरी का प्यारे तुझको पार लगाए
उमरिया घटती जाए, तुझे क्यूँ समझ ना आये
उमरिया घटती जाए, हरी को क्यूँ बिसराये

झूठ कपट से माया जोड़ी, माया साथ ना जाएगी
बड़े जतन मनुष्य तन पाया मिटटी में मिल जाएगी
मुट्ठी बाँध के आने वाले, हाथ पसारे जायेगा
एक नाम बस हरी का प्यारे तुझको पार लगाए
उमरिया घटती जाए, तुझे क्यूँ समझ ना आये
उमरिया घटती जाए, हरी को क्यूँ बिसराये

बीता बचपन खेल कूद में बस खेला और खाया है
आई जवानी भटका है तू समय भी व्यर्थ गंवाया है
आया बुढ़ापा फिर पछताया कोई काम ना आएगा
एक नाम बस हरी का प्यारे तुझको पार लगाए
उमरिया घटती जाए, तुझे क्यूँ समझ ना आये
उमरिया घटती जाए, हरी को क्यूँ बिसराये

नाम हरी का जपले बन्दे .....
नाम हरी का जपले तेरा जनम सफल हो जाए
एक नाम बस हरी का प्यारे तुझको पार लगाए
उमरिया घटती जाए, तुझे क्यूँ समझ ना आये
उमरिया घटती जाए, हरी को क्यूँ बिसराये

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%89%e0%a4%ae%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%98%e0%a4%9f%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%8f-by-kumaar-mukesh-jyoti-choundal/